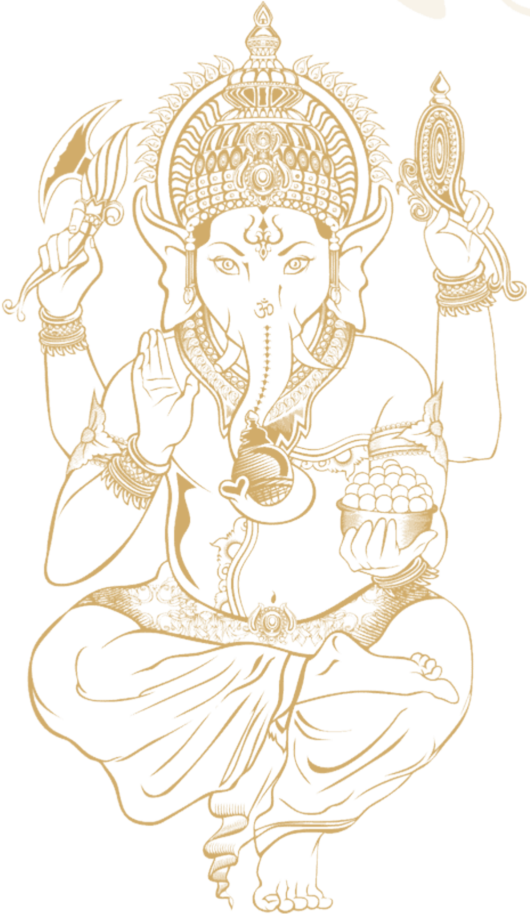

Aman Kumar Verma

29 Jan 2008

01:00 AM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120889402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**28-29/01/2008**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**01:00:00 घंटे**
इष्ट	46:26:35 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	01:20:16 घंटे
वेलान्तर	-00:12:49 घंटे
साम्पातिक काल	09:50:02 घंटे
सूर्योदय	06:25:21 घंटे
सूर्यास्त	17:20:00 घंटे
दिनमान	10:54:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	14:16:45 मकर
लग्न के अंश	27:01:52 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	27:01:52	312:26:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			मक	14:16:45	01:00:58	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	28:58:50	12:03:26	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
मंगल	व		मिथु	00:08:03	00:01:38	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
बुध			मक	29:54:23	00:00:29	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
गुरु			धनु	15:15:33	00:12:55	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			धनु	11:31:38	01:13:48	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	सम राशि
शनि	व		सिंह	13:11:29	00:03:54	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
राहु			कुंभ	03:54:09	00:00:56	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
केतु			सिंह	03:54:09	00:00:56	मघा	2	10	सूर्य	केतु	चंद्र	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	22:30:15	00:02:52	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
नेप			मक	27:14:33	00:02:14	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
प्लूटो			धनु	06:06:40	00:01:50	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
दशम भाव			सिंह	01:15:53	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:58:21

लग्न-चलित

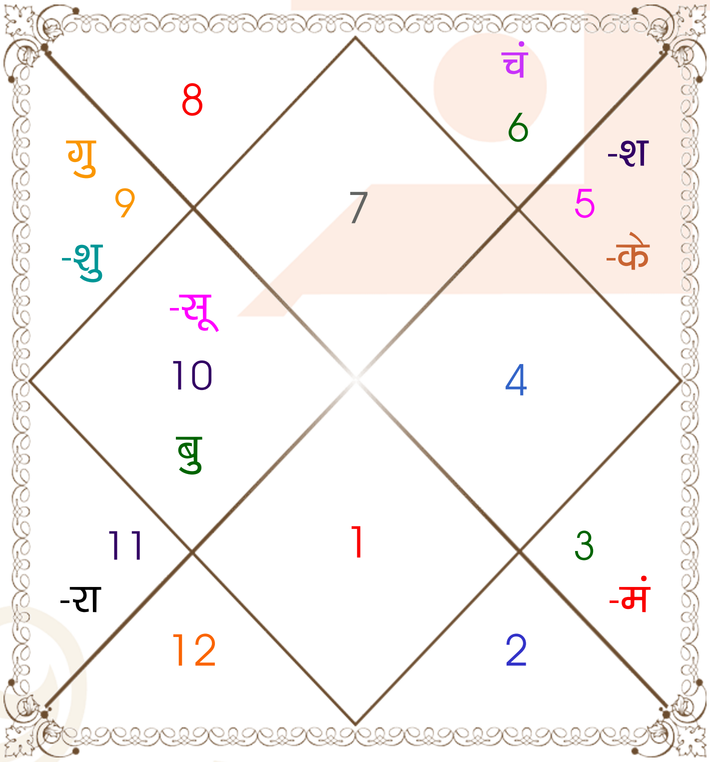

चन्द्र कुंडली

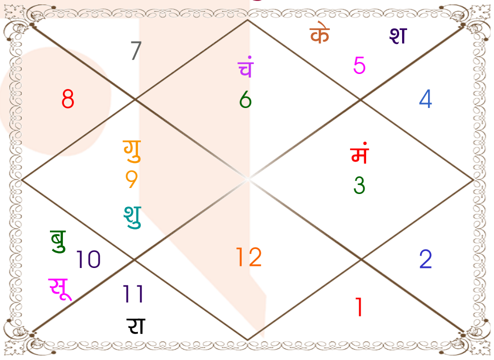

नवमांश कुंडली

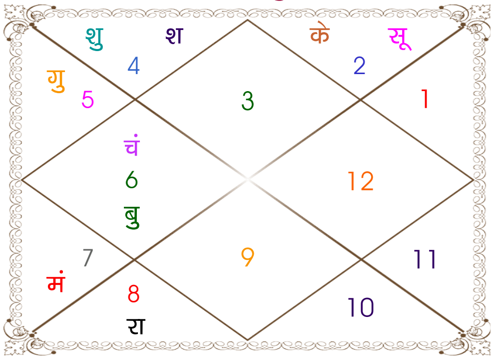

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 0 मास 12 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
29/01/2008	**10/02/2012**	**10/02/2030**	**10/02/2046**	**10/02/2065**
10/02/2012	**10/02/2030**	**10/02/2046**	**10/02/2065**	**10/02/2082**
00/00/0000	राहु 24/10/2014	गुरु 30/03/2032	शनि 13/02/2049	बुध 09/07/2067
00/00/0000	गुरु 18/03/2017	शनि 11/10/2034	बुध 24/10/2051	केतु 06/07/2068
29/01/2008	शनि 23/01/2020	बुध 16/01/2037	केतु 02/12/2052	शुक्र 06/05/2071
शनि 11/08/2008	बुध 12/08/2022	केतु 23/12/2037	शुक्र 01/02/2056	सूर्य 12/03/2072
बुध 08/08/2009	केतु 30/08/2023	शुक्र 23/08/2040	सूर्य 13/01/2057	चंद्र 11/08/2073
केतु 04/01/2010	शुक्र 30/08/2026	सूर्य 11/06/2041	चंद्र 15/08/2058	मंगल 08/08/2074
शुक्र 07/03/2011	सूर्य 25/07/2027	चंद्र 11/10/2042	मंगल 23/09/2059	राहु 25/02/2077
सूर्य 12/07/2011	चंद्र 22/01/2029	मंगल 17/09/2043	राहु 30/07/2062	गुरु 03/06/2079
चंद्र 10/02/2012	मंगल 10/02/2030	राहु 10/02/2046	गुरु 10/02/2065	शनि 10/02/2082

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
10/02/2082	**10/02/2089**	**11/02/2109**	**11/02/2115**	**11/02/2125**
10/02/2089	**11/02/2109**	**11/02/2115**	**11/02/2125**	**00/00/0000**
केतु 09/07/2082	शुक्र 11/06/2092	सूर्य 31/05/2109	चंद्र 13/12/2115	मंगल 10/07/2125
शुक्र 08/09/2083	सूर्य 11/06/2093	चंद्र 30/11/2109	मंगल 13/07/2116	राहु 28/07/2126
सूर्य 14/01/2084	चंद्र 10/02/2095	मंगल 07/04/2110	राहु 11/01/2118	गुरु 04/07/2127
चंद्र 14/08/2084	मंगल 11/04/2096	राहु 01/03/2111	गुरु 13/05/2119	शनि 30/01/2128
मंगल 10/01/2085	राहु 12/04/2099	गुरु 19/12/2111	शनि 12/12/2120	00/00/0000
राहु 29/01/2086	गुरु 12/12/2101	शनि 30/11/2112	बुध 13/05/2122	00/00/0000
गुरु 05/01/2087	शनि 11/02/2105	बुध 06/10/2113	केतु 12/12/2122	00/00/0000
शनि 13/02/2088	बुध 13/12/2107	केतु 11/02/2114	शुक्र 12/08/2124	00/00/0000
बुध 10/02/2089	केतु 11/02/2109	शुक्र 11/02/2115	सूर्य 11/02/2125	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 0 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय मेदिनीय क्षितिज पर मिथुन राशि का नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण लग्न भी उदित था। प्रस्तुत ज्योतिषीय आकृति के अनुसार यह स्मरणीय है कि आप में दुर्भावनाओं से युक्त नकारात्मक गुण विद्यमान है। आप सौभाग्यशाली हैं। आप वैक्तिक विशेषता के प्रभाव से समुचित धन सम्पत्ति युक्त जीवन, बिना किसी भी इच्छा के अनुरूप समुचित ढंग से व्यतीत करेंगे।

आपकी चारित्रिक नाकारात्मक उत्कंठा अन्यों के विकास के लिए असहयनीय है। आप जब किसी को धन संचय करते हुए अथवा संपत्ति अर्जन करते देखते हों तब आप इर्ष्यात्मक प्रवृति से युक्त होकर उसके कार्य को नष्ट करने के लिए सुनिश्चित होकर उसके पीछे पड़ कर खुद प्राप्त न कर उसे बिगाड़ देना ठीक समझते हो। इसके संबंध में आपको क्या करना चाहिए यह रहस्य अन्यों की अपेक्षा आप स्वयं जानते है। आप लापरवाही से अपनी बड़ाई के लिए बहुत अधिक लोगों पर प्रभाव जमाते हों। यह प्रवृति आपको मात्र अप्रसिद्ध ही नहीं बनाता बल्कि सर्वदा आपके प्रगति के पथ पर अनेकों प्रकार से विरोध प्रदर्शन करते हैं।

आप में सामान्य ज्ञान और सक्षमता विद्यमान है कि आप प्रतिपक्ष पर विजय प्राप्त कर लेते हों परंतु आप अनेकों को अपना स्थायी शत्रु बना लेते हैं। इस प्रकार आप कठिन श्रम संपादन हेतु उपयुक्त हो। मुख्यतः आप अपनी आयु की प्रथम अवधि 21 वें वर्ष से 28 वे वर्ष तथा द्वितीय 28 वें वर्ष से 34 वे वर्ष के मध्य काफी धन संपत्ति का उपार्जन एवं लाभ प्राप्त करेंगे। आप अपनी आय का यथेष्ठ अंश अपने निरंतर भ्रमण पर तथा अपने घर को नवीनतम साज-शय्याओं से युक्त करने पर व्यय करेंगे।

आप अपना परिवार जीवन सुखदपूर्ण व्यतीत करेंगे। आप स्वयं के सुख हेतु सुव्यवस्था पूर्वक सभी इंतजाम करेंगे। आप निःसंदेह पूर्वक अपनी समझदार पत्नी एवं बच्चों से बहुत स्नेह रखेंगे। परंतु आप सदैव वासनात्मक भावनाओं से चिंतित रह सकते है तथा विपरीत योनि के प्रति आकर्षित रहेंगे। क्योंकि आपकी आकर्षक आंखे विपरीत योनि को आकर्षित करती हैं। आपको इस प्रकार की रोमांचित प्रवृति के प्रति झुकाव नहीं रखकर अपने सहज परिवारिक जीवन को आनंदित रखने के लिए आश्वस्त होना चाहिए।

आप अपने लिए योग्य एवं उपयुक्त जीवन संगिनी का चुनाव कर सकते हैं जिसका जन्म मिथुन अथवा कुंभ राशि में हुआ हो। परंतु आप मीन राशि, मकर एवं कर्क राशि के जातक का चयन कर अपने सामान्य जीवन को संघर्षपूर्ण करेंगे।

आपका स्वास्थ्य अधिकांशतः सुंदर एवं ठीक रहेगा। परंतु इसके अतिरिक्त ऐसी संभावना है कि आप कतिपय रोगों से प्रभावित भी हो सकते हैं यथा डायविटिज, किडनी की परेशानी तथा बाद में ट्यूमर युक्त रोग की आशंका है। अतः आपको इस रोग के प्रति सुरक्षात्मक कदम उठाना चाहिए।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक लाभदायक है। परंतु 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।